(iii) अर्थशास्त्र के प्रणेता

(Founder of Arthashastra)

(iv) कल्याणकारी राज्य की अवधारणा

(Concept of Welfare State)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5448 **H**

Unique Paper Code : 2131002005

Name of the Paper : Sanskrit B: (Intermediate) Administrative Structure in Kautilya's Arthashastra

Name of the Course : **Common Prog. Group: AEC**

Semester : IV

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. अर्थशास्त्र की विषयवस्तु का संक्षिप्त परिचय दीजिए । (10)

Give a brief introduction to the subject matter of Arthashastra.

अथवा / Or

कौटिल्य के सप्तांग सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ।

Discuss the Saptang theory of Kautilya.

2. कौटिल्य की राज्य की अवधारणा क्या है? समझाइए । (15)

What is Kautilya's concept of state? Explain.

अथवा / Or

कौटिल्य द्वारा निर्धारित राजा के लिए अपेक्षित गुण क्या हैं? स्पष्ट करें ।

What are the expected qualities of the king prescribed by Kautilya? Clarify.

3. अर्थशास्त्र में वर्णित न्याय व्यवस्था पर प्रकाश डालिये । (15)

Throw light on the Justice system described in Arthashastra.

अथवा / Or

अर्थशास्त्र के अनुसार सन्निधाता के कर्तव्यों का विवेचन कीजिए ।

Discuss the duties of a Sannidhata according to Arthashastra.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (10×2=20)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) दण्डपारुष्य

(Dandparushya)

(ii) समाहर्ता

(Samaharta)